

ZÚME सत्र 1 का वीडियो स्क्रिप्टस्

उन्हें आज्ञाकारिता सिखाओ

ZÚME प्रशिक्षण में आपका स्वागत है। इस सभा में, हम शिष्य और चर्च के बारे में बात करेंगे। शिष्य कौन है? और आप शिष्य बनाते कैसे हैं?

यीशु के शिष्य को आप उनकी सभी आज्ञाएँ कैसे मानना सीखाओगे?

आप एक ऐसे व्यक्ति को परमेश्वर के राज्य का नागरिक बनने के लिए सक्षम बनाते हैं जो दुनिया के बंधन में जी रहा था?

'शिष्य' शब्द का अर्थ है - एक अनुयायी। तो एक शिष्य परमेश्वर का अनुयायी होता है। यीशु ने कहा - स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।

तो परमेश्वर के राज्य में, यीशु हमारे राजा हैं।

हम उनके नागरिक हैं, और उनकी इच्छा के अधीन हैं।

उनकी इच्छा, उद्देश्य, अभिप्राय, प्राथमिकताएँ और मूल्य उच्चतम और सर्वश्रेष्ठ हैं। उनका वचन नियम है।

तो राज्य का नियम क्या है? यीशु अपने नागरिकों को क्या करने के लिए कहते हैं?

यीशु ने कहा - अपने पूरे मन, प्राण और शक्ति से अपने प्रभु परमेश्वर से प्रेम करना।

यीशु ने कहा - अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।

यीशु ने कहा कि पुराने नियम में परमेश्वर की आज्ञाएँ - सारे नियम और भविष्यवक्ता - इन दो चीजों में समाविष्ट हो सकते हैं - परमेश्वर से प्रेम करो और लोगों से प्रेम करो।

यीशु ने कहा - शिष्य बनाओ

यीशु ने कहा - जो कुछ मैंने आज्ञा दी है उन्हें मानना सिखाओ।

शिष्य बनाते समय उन्हें यीशु की सभी आज्ञाओं को सिखाना पड़ता है –नया नियम इस एक चीज में समाविष्ट हो सकता है - शिष्य बनाओ।

एक शिष्य यीशु का एक अनुयायी है जो परमेश्वर से प्रेम करता है, लोगों से प्रेम करता है और शिष्य बनाता है ।

तो एक चर्च क्या है?

शायद आप चर्च को एक इमारत समझते हैं – एक ऐसा स्थान जहाँ आप जाते हैं।

लेकिन परमेश्वर का वचन चर्च को लोगों का इकट्ठा होना कहता है – ऐसे लोग जिसमें आप शामिल हैं।

बाइबल में "चर्च" शब्द का इस्तेमाल तीन अलग-अलग तरीकों से किया गया है --

- सार्वभौमिक चर्च - सभी लोग जो यीशु के शिष्य थे, हैं और बनेंगे।
- शहर या क्षेत्रीय चर्च - सभी लोग जो यीशु के शिष्य हैं और दुनिया के किसी भी क्षेत्र में या इसके आस-पास रहते हैं।
- घर पर चर्च - जो यीशु के शिष्य हैं वे सभी लोग और वहाँ पर मिलते हैं जहाँ उनके बीच एक या एक से ज्यादा लोग रहते हैं।

एक आत्मिक परिवार - यीशु के शिष्य जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं, लोगों से प्रेम करते हैं और शिष्य बनाते हैं और जो स्थानीय रूप से मिलते हैं, वह यह अंतिम चर्च है – घर पर चर्च या साधारण चर्च।

जब इन साधारण चर्च के समूह कुछ बड़ा करने के लिए इकट्ठा होते हैं, तो वे साथ मिलकर एक शहर या क्षेत्रीय चर्च बना सकते हैं। ये सभी साधारण चर्च जो इस क्षेत्र से जुड़े होते हैं और पूरे इतिहास में फैले हुए हैं, ये सभी मिलकर सार्वभौमिक चर्च बनाते हैं।

इस चर्च को अंग्रेजी अक्षर "C" से दर्शाते हैं

साधारण चर्च आत्मिक परिवार है, यीशु उनके केंद्र और उनके राजा हैं।

साधारण चर्च आत्मिक परिवार है जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं, दूसरों से प्रेम करते हैं और शिष्य बनाते हैं, जो बढ़ाते हैं।

कुछ चर्च के पास ईमारतें और प्रोग्राम और पैसा और कर्मचारी हैं।

लेकिन साधारण चर्च को परमेश्वर से प्रेम करने, दूसरों से प्रेम करने और शिष्य बनाने - जो बढ़ते जाते हैं - इत्यादि के लिए इन चीजों की जरूरत नहीं है।

क्योंकि कुछ भी अतिरिक्त चीजें किसी चर्च को और ज्यादा जटिल बना देती हैं और इसका बढ़ना मुश्किल कर देती हैं, इसलिए हमारा प्रशिक्षण ईमारतों, प्रोग्राम और पैसा और कर्मचारी को शहर या प्रदेश चर्च तक सीमित रखता है, जो कि साधारण चर्च के बढ़ने से बना है।

याद रखिये " ZÚME " का अर्थ है 'खमीर' एक सरल एवं एकमात्र घटक जो तुरंत अपने जैसा उत्पन्न करता है।

ZÚME प्रशिक्षण के साथ - हम उस खमीर की तरह बन जाएंगे - जो सरल और बढ़नेवाला हो।

लेकिन आईये बढ़ने से पहले इस बात पर ध्यान देते हैं कि परमेश्वर क्या उत्पन्न करवाना चाहते हैं। क्योंकि बढ़ोत्तरी अच्छी हो सकती है - लेकिन हमेशा नहीं होती।

कैंसर बढ़ोत्तरी है। और यह प्राणघातक है।

तो हम कैसे जीवन को उत्पन्न करते हैं और मृत्यु को नहीं?

और हम कैसे सुनिश्चित करते हैं कि हम दोबारा उत्पन्न करने वाले योग्य शिष्य हैं?